DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

5 June, 2024

नोटा (NOTA)

संदर्भ: *इंदौर में नोटा विकल्प को अब तक किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में सबसे अधिक वोट मिले हैं।*

- नोटा (इनमें से कोई नहीं) एक मतपत्र विकल्प है, जो मतदाताओं को मतदान प्रणाली में सभी उम्मीदवारों के प्रति अस्वीकृति व्यक्त करने में सक्षम बनाता है।
- भारत में इसका कार्यान्वयन पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज बनाम यूनियन ऑफ इंडिया मामले में वर्ष 2013 के उच्चतम न्यायलय के फैसले के बाद हुआ।
- इसके लागू होने के बावजूद, भारत में नोटा 'अस्वीकार करने का अधिकार' नहीं देता है।
- भारतीय चुनावों में, सबसे अधिक वोट पाने वाला उम्मीदवार जीतता है, चाहे नोटा वोटों की मात्रा कितनी भी हो।

नोटा की पृष्ठभूमि:

- **नोटा का इतिहास:** 1999 में विधि आयोग की 170वीं रिपोर्ट में नकारात्मक मतदान और 50%+1 मतदान प्रणाली की शुरुआत की गई थी, लेकिन व्यावहारिक चुनौतियों के कारण इन सिफारिशों को अंतिम रूप नहीं दिया गया था।
- **भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की भूमिका:** ईसीआई ने ईवीएम के साथ मतदाता गोपनीयता के बारे में चिंताओं को दूर करने के लिए 2001 और 2004 में नोटा का समर्थन किया, जिसमें एक विकल्प के रूप में "नोटा" के उपयोग का प्रस्ताव दिया गया।

नोटा से संबंधित ऐतिहासिक मामले:

- **लिली थॉमस बनाम स्पीकर, लोकसभा (1993):** उच्चतम न्यायलय ने मतदान को इच्छा की औपचारिक अभिव्यक्ति के रूप में उजागर किया, जिससे मतदाताओं को तटस्थ रहने की अनुमति मिली।
- **पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज एंड अन्य बनाम यूनियन ऑफ इंडिया (2013):** इस मामले में उच्चतम न्यायलय ने ईवीएम पर नोटा बटन को जोड़ने, मतदाताओं को सशक्त बनाने और निष्पक्ष चुनावों को बढ़ावा देने का आदेश दिया।
- **शैलेश मनुभाई परमार बनाम मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य के माध्यम से भारतीय चुनाव आयोग (2018):** इस मामले में उच्चतम न्यायलय ने लोकतंत्र और संभावित भ्रष्टाचार पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए राज्यसभा चुनावों से नोटा को हटा दिया।

नोटा से संबंधित कानूनी प्रावधान:

- मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा का अनुच्छेद 21 मतदान में गोपनीयता सुनिश्चित करता है, सार्वभौमिक मताधिकार और गुप्त मतदान द्वारा आवधिक और वास्तविक चुनावों पर जोर देता है।
- नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय वाचा की धारा 25 (बी) सार्वभौमिक मताधिकार और गुप्त मतदान द्वारा वास्तविक आवधिक चुनावों में मतदान करने और निर्वाचित होने के अधिकार की गारंटी देती है।
- जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में धारा 79 (डी) "चुनावी अधिकार" को उम्मीदवार के रूप में खड़े होने, उम्मीदवारी वापस लेने, मतदान करने या चुनाव में मतदान से परहेज करने के अधिकार के रूप में परिभाषित करती है।

नोटा वोट डालना:

- इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर उम्मीदवारों की सूची के नीचे नोटा विकल्प स्थित है।
- पहले, नकारात्मक मतपत्र डालने के लिए, मतदाता को मतदान केंद्र पर पीठासीन अधिकारी को सूचित करना पड़ता था।
- अब, मतदाता केवल ईवीएम पर नोटा विकल्प दबाते हैं।

चुनाव परिणामों पर प्रभाव:

- भारतीय प्रणाली में नोटा का कोई चुनावी महत्व नहीं है।
- नोटा के पक्ष में डाले गए वोटों की संख्या चाहे जितनी भी हो, सबसे अधिक वोट पाने वाले उम्मीदवार को, भले ही वह केवल एक ही क्यों न हो, विजेता घोषित किया जाएगा।

सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा के लिए वित्तपोषण में अंतर

संदर्भ: *ILO के अनुसार, निम्न और मध्यम आय वाले देशों में सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्राप्त करने के लिए प्रतिवर्ष अतिरिक्त 1.4 ट्रिलियन डॉलर की आवश्यकता होगी।*

सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्राप्त करने में चुनौतियाँ:

- अफ्रीका को सभी क्षेत्रों में सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्राप्त करने में सबसे बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ता है।
- निम्न आय वाले देशों के लिए वित्तपोषण अंतर उनके वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद के आधे से अधिक (52.3%) है।
- इस वित्तपोषण अंतर को पाटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता आवश्यक है।

वित्तपोषण आवश्यकताओं का विवरण:

- अधिकांश निधियाँ (60.1%) आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल के लिए आवंटित हैं।
- **सामाजिक सुरक्षा नकद लाभों के लिए आवंटित शेष भाग:**
  - बाल लाभ के लिए 17.8%।
  - वृद्धावस्था पेंशन के लिए 8.3%।
  - विकलांगता लाभ के लिए 7.1%।
  - बेरोजगारी लाभ के लिए 5.2%।
  - मातृत्व लाभ के लिए 1.5%।

अनुमान और कार्यप्रणाली:

- अनुमान 133 निम्न और मध्यम आय वाले देशों को कवर करते हैं।
- वित्तपोषण अंतर को निरपेक्ष रूप से (अरबों डॉलर) और सापेक्ष रूप से (जीडीपी का प्रतिशत) मापा जाता है।
- वास्तविक सरकारी व्यय और सामाजिक सुरक्षा व्यय की तुलना में अंतर।

क्षेत्रीय विश्लेषण:

- वर्तमान अफ्रीका को इस क्षेत्र के वार्षिक जीडीपी के 17.6% के वित्तपोषण अंतर के साथ सबसे महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।
- इस समय अरब राज्य 11.4% के साथ दूसरे स्थान पर हैं, फिर लैटिन अमेरिका और कैरिबियन (2.7%), एशिया और प्रशांत (2%), और यूरोप और मध्य एशिया (1.9%)।
- **देश-विशिष्ट चुनौतियाँ:** विभिन्न संकटों के कारण सूडान में निम्न और मध्यम आय वाले देशों में सबसे बड़ा वित्तपोषण अंतर है।

सार्वभौमिक कवरेज प्राप्त करने की रणनीतियाँ:

- निम्न और मध्यम आय वाले देशों को कुल वार्षिक व्यय के 10.6% तक सरकारी खर्च बढ़ाने की आवश्यकता है।
- इसे कराधान और बेहतर संप्रभु ऋण प्रबंधन जैसे घरेलू संसाधनों के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

5 June, 2024

➢ **जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को संबोधित करना:**

- जलवायु झटकों को कम करने और कमज़ोरियों को कम करने में सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा महत्वपूर्ण है।
- कार्बन करों सहित प्रगतिशील कराधान, और प्रतिगामी जीवाश्म ईंधन सब्सिडी को समाप्त करना आवश्यक कदम हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय जलवायु वित्तपोषण निम्न और मध्यम आय वाले देशों में सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत कर सकता है।

▶ Figure 3. Distribution of the annual financing gap for achieving universal social protection coverage, by national income group, and by region, 2024

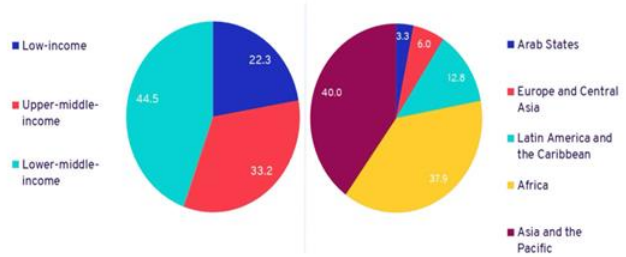

संयुक्त राष्ट्र वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला मंच

संदर्भ: *UNCTAD और बारबाडोस सरकार द्वारा सह-आयोजित संयुक्त राष्ट्र वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला मंच का उद्घाटन हाल ही में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।*

➢ **कार्यक्रम अवलोकन:**

- इस मंच का उद्घाटन संस्करण 21 से 24 मई, 2024 तक बारबाडोस में हुआ।
- यह बारबाडोस सरकार के सहयोग से UNCTAD द्वारा आयोजित किया गया था।
- इसमें व्यापार को प्रभावित करने वाली वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए दुनिया भर में 1,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया था।
- इसके अलावा उल्लेखनीय उपस्थित लोगों में छोटे द्वीप विकासशील राज्यों (SIDS) के व्यापार और परिवहन मंत्री शामिल थे।
- साथ ही संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के प्रतिनिधि, सिएटल बंदरगाह जैसे प्रमुख बंदरगाह और शिपिंग और रसद में उद्योग के नेता भी मौजूद थे।
- अगला मंच वर्ष 2026 में सऊदी अरब में होने वाला है।

➢ **विषय और चर्चाएँ:**

- वैश्विक व्यवधानों, भू-राजनीतिक तनावों, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक व्यापार पर COVID-19 महामारी के प्रभाव पर केंद्रित चर्चाएँ आयोजित की गईं।
- वैश्विक शिपिंग को कार्बन मुक्त करने हेतु सभी संभावित जटिलताओं और उस निहितार्थ अवसरों पर जोर दिया गया, विशेष रूप से विकासशील देशों में, जिनके पास पर्याप्त मात्रा में नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन उपलब्ध हैं।

➢ **परिणाम:**

- "इंटरमॉडल, कम कार्बन, कुशल और लचीले माल परिवहन और रसद के लिए घोषणापत्र" का शुभारंभ, जिसमें टिकाऊ माल परिवहन और रसद परिवर्तन की वकालत की गई।
- कम या शून्य कार्बन ईंधन को प्रोत्साहित करने, नए ईंधन के लिए सुरक्षा ढांचे की स्थापना करने और विभिन्न ईंधनों को संभालने के लिए बंदरगाह की तत्परता बढ़ाने के प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

➢ **वकालत और पहल:**

- एसआईडीएस मंत्रियों ने हरित और सतत स्थायी प्रौद्योगिकियों में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सहायता और निवेश की वकालत की।
- व्यापार और परिवहन लागतों पर व्यापक वैश्विक डेटा प्रदान करने वाले संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास व्यापार-और-परिवहन डेटासेट के शुभारंभ के साथ महत्वपूर्ण उपलब्धि।

➢ **आपूर्ति श्रृंखला में सुधार के लिए अन्य पहल:**

- वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन को मजबूत करना है।
- समृद्धि के लिए इंडो-पैसिफिक आर्थिक रूपरेखा भारत-प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक सहयोग और समृद्धि को बढ़ाने का प्रयास करती है, जिसमें भारत एक हस्ताक्षरकर्ता देश है।
- पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान भारत भर में बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी में सुधार पर केंद्रित है।
- राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति का उद्देश्य दक्षता को बढ़ावा देने और लागत को कम करने के लिए लॉजिस्टिक्स और परिवहन नेटवर्क को सुव्यवस्थित करना है।
- आत्मनिर्भर भारत पहल का उद्देश्य भारत में आत्मनिर्भरता और स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देना है।
- उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करने और प्रमुख क्षेत्रों में उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई हैं।
- भारत की उदार एफडीआई नीति का उद्देश्य विदेशी निवेश को आकर्षित करना और विनिर्माण क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देना है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को दुनिया भर में मनाया जाता है।

विश्व पर्यावरण दिवस के बारे में:

- विश्व पर्यावरण दिवस (WED) की स्थापना 1972 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी।
- इसे 1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में धरती पर जीवन बचाने के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।
- यह जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता क्षति, प्रदूषण और वनों की कटाई जैसे पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।
- सऊदी अरब वर्ष 2024 के पर्यावरण दिवस समारोह की मेजबानी करेगा।
- विश्व पर्यावरण दिवस 2024 का विषय, "हमारी भूमि। हमारा भविष्य। हम # पीढ़ी की बहाली हैं", भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण शमन और सूखे के प्रति लचीलापन के लिए वैश्विक तात्कालिकता को रेखांकित करता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- फ़िनलैंड 1990 में कार्बन टैक्स लगाने वाला पहला देश था और 2019 में कोयले पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया।
- भारत के पास चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और जर्मनी के बाद दुनिया में चौथी सबसे बड़ी पवन ऊर्जा क्षमता है।

ग्रीड इंफलानेशन

*हाल ही में, विशेषज्ञों ने पाया है कि **"ग्रीड इंफलानेशन"** पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति की उच्च दरों में योगदान दे रही है।*

ग्रीड इंफलानेशन के बारे में:

- ग्रीड इंफलानेशन एक ऐसी स्थिति का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है, जहाँ मुद्रास्फीति वास्तविक आर्थिक कारकों से नहीं बल्कि सट्टा और वित्तीय बाजारों में अत्यधिक जोखिम से प्रेरित होती है।
- यह तब होता है जब निवेशक और वित्तीय संस्थान अंतर्निहित आर्थिक बुनियादी बातों की परवाह किए बिना त्वरित लाभ की तलाश में अत्यधिक सट्टेबाजी में संलग्न होते हैं।
- यह परिसंपत्ति बुलबुले के गठन से प्रेरित हो सकता है, जैसे कि रियल एस्टेट या शेयर बाजारों में, जहाँ कीमतें आंतरिक मूल्य के बजाय सट्टा मांग से अधिक होती हैं।
- यह अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति के दबाव में योगदान देता है, क्योंकि अत्यधिक सट्टेबाजी से वस्तुओं, सेवाओं और परिसंपत्तियों की कीमतें बढ़ जाती हैं।
- यह वित्तीय अस्थिरता का कारण बन सकता है, क्योंकि परिसंपत्ति बुलबुले अंततः फट जाते हैं, जिससे बाजार में सुधार, आर्थिक मंदी और वित्तीय संकट उत्पन्न होते हैं।
- सरकारें सट्टा गतिविधियों को नियंत्रित करने, बाजार पारदर्शिता बढ़ाने और परिसंपत्ति बुलबुले के गठन को रोकने के लिए विनियमन लागू कर सकती हैं।
- 1990 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत का डॉट-कॉम बुलबुला ग्रीड इंफलानेशन का एक उदाहरण है, जहां सट्टा बाजार ने इंटरनेट से संबंधित शेयरों की कीमतों को अस्थिर स्तर तक पहुंचा दिया।
- 2000 के दशक के मध्य में आवास बुलबुला, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में, ग्रीड इंफलानेशन का एक और उदाहरण था, जिसमें सट्टा मांग के कारण घरों की कीमतें बढ़ गईं और अंततः बाजार ढह गया।

SU-30MKI

हाल ही में, भारतीय वायु सेना (IAF) का एक SU-30MKI लड़ाकू विमान महाराष्ट्र के नासिक में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

SU-30MKI के बारे में:

- यह सुखोई Su-30 का एक संस्करण है जो रूस के सुखोई द्वारा विकसित एक ट्विनजेट मल्टीरोल एयर सुपीरियरिटी फाइटर है।
- इसे भारतीय वायु सेना (IAF) के लिए भारत के हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) द्वारा लाइसेंस के तहत बनाया गया है।
- यह मल्टीरोल क्षमताओं वाला एक भारी और सभी मौसमों में काम करने वाला लंबी दूरी का लड़ाकू विमान है।
- IAF ने अगले कुछ दशकों तक अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए Su-30MKI को नए हथियारों, एवियोनिक्स, सेंसर और इंजन के साथ बढ़ाने की योजना बनाई है।
- भारत ने रूस से 272 Su-30 खरीदे थे।
- IAF के पास वर्तमान में 12 Su-30 स्क्वाड्रन हैं, जो भारत की वायु रक्षा में इन लड़ाकू विमानों की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।
- लगभग 40-50 Su-30MKI विमान ओवरहाल और मरम्मत के लिए HAL की देखरेख में हैं, जो मौजूदा बेड़े को बनाए रखने के महत्व को दर्शाता है।

सुर्खियों में व्यक्तित्व
अहिल्या बाई होल्कर

हाल ही में अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती मनाई गई।

अहिल्या बाई होल्कर (31 मई 1725-13 अगस्त 1795)

मराठा रानी और होल्कर राजवंश की एक प्रमुख शासिक अहिल्या बाई होल्कर का जन्म महाराष्ट्र के चौंडी गांव (वर्तमान अहमदनगर जिला) में हुआ था।

योगदान:

- अहिल्या बाई होल्कर अपनी बुद्धिमत्ता, साहस और प्रशासनिक क्षमताओं के लिए प्रसिद्ध थीं।
- उन्होंने महेश्वर में माहेश्वरी साड़ी उद्योग की स्थापना की, जिससे आर्थिक विकास में योगदान मिला।
- उन्होंने न्याय और प्रशासन पर केंद्रित नीतियों को लागू किया, जिससे सभी नागरिकों के लिए उचित व्यवहार सुनिश्चित हुआ।
- उन्होंने अपने राज्य में सड़कों, कुओं और विश्रामगृहों के निर्माण और मरम्मत सहित विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की शुरुआत की।
- उन्होंने अपने राज्य को बाहरी खतरों से बचाने और आंतरिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत सैन्य उपस्थिति बनाए रखी।
- उन्होंने अपनी स्थिति को मजबूत करने और अपने क्षेत्रों की रक्षा करने के लिए पड़ोसी राज्यों के साथ रणनीतिक गठबंधन बनाए।
- उन्होंने नर्मदा नदी के तट पर प्रसिद्ध महेश्वर मंदिर सहित कई मंदिरों के निर्माण को प्रायोजित किया।
- ब्रिटिश इतिहासकार जॉन की द्वारा उनके प्रबुद्ध शासन और शासन के लिए उन्हें 'दार्शनिक रानी' के रूप में सम्मानित किया गया।

नैतिक मूल्य: ईमानदारी, न्याय, करुणा, आदि।

सुर्खियों में स्थल

नीदरलैंड

हाल ही में, वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से पता चला है कि 2023-24 के दौरान यू.एस. और यूएई के बाद नीदरलैंड भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बन गया है, जबकि देश के माल की शिपमेंट में 3% से अधिक की गिरावट आई है।

नीदरलैंड (राजधानी: एम्स्टर्डम)

स्थान: नीदरलैंड, जिसे हॉलैंड के नाम से भी जाना जाता है, उत्तर-पश्चिमी यूरोप में स्थित एक देश है।

सीमाएँ: नीदरलैंड की सीमा जर्मनी (पूर्व), बेल्जियम (दक्षिण), उत्तरी सागर (उत्तर और पश्चिम) से लगती है।

भौतिक विशेषताएँ:

- नीदरलैंड का सबसे ऊँचा प्राकृतिक बिंदु वाल्सरबर्ग है।
- नीदरलैंड में राइन, मीयूज और शेल्ड्ट जैसी नदियाँ बहती हैं जो परिवहन, कृषि और देश के परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं ... भारत-नीदरलैंड संबंध:
- भारत और नीदरलैंड ने 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित किए, जो 2022 में राजनयिक जुड़ाव के 75 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है।
- नीदरलैंड यूरोप में भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और यह भारत में चौथा सबसे बड़ा निवेशक भी है।
- भारत ने अप्रैल-मई 2023-24 के दौरान नीदरलैंड को 3.29 बिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य की विविध वस्तुओं का निर्यात किया, जिसमें पेट्रोलियम उत्पाद, दूरसंचार उपकरण, एल्यूमीनियम, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, लोहा और इस्पात शामिल हैं।

POINTS TO PONDER

- इसरो ने हाल ही में एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के माध्यम से संधारणीय अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए किसके साथ सहयोग किया? – **विप्रो 3डी**
- हाल ही में सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2023-24 में भारत को सबसे अधिक एफडीआई किस देश ने प्रदान किया? – **सिंगापुर**
- किस शोध संस्थान ने हाल ही में प्रयोगशाला में गैर-संक्रामक निपाह वायरस जैसे कण (वीएलपी) उत्पन्न करने की विधि विकसित की है? – **इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड वायरोलॉजी**
- हाल ही में संन्यास की घोषणा करने वाले दिनेश कार्तिक किस खेल से संबंधित हैं? – **क्रिकेट**
- हाल ही में मैक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में किसे चुना गया? – **क्लाउडिया शिएनबाम**